2018-19

शामली दर्पण

VOLUME 38
01/JAN/2019 TO
31/JAN/2019

ई-पत्रिका

E NEWSLETTER 1

WELCOME TO SHAMLI

पार्क में महापुरुषो की मूर्तिया

E NEWSLETTER 2

स्वच्छ सर्वेक्षण 2019

E NEWSLETTER 3

पहले दिन उत्साह और उमंग के साथ किया काम

शामली सीएचसी में मरीजों को देखते चिकित्सा अधिक्षक। अमर उजाला

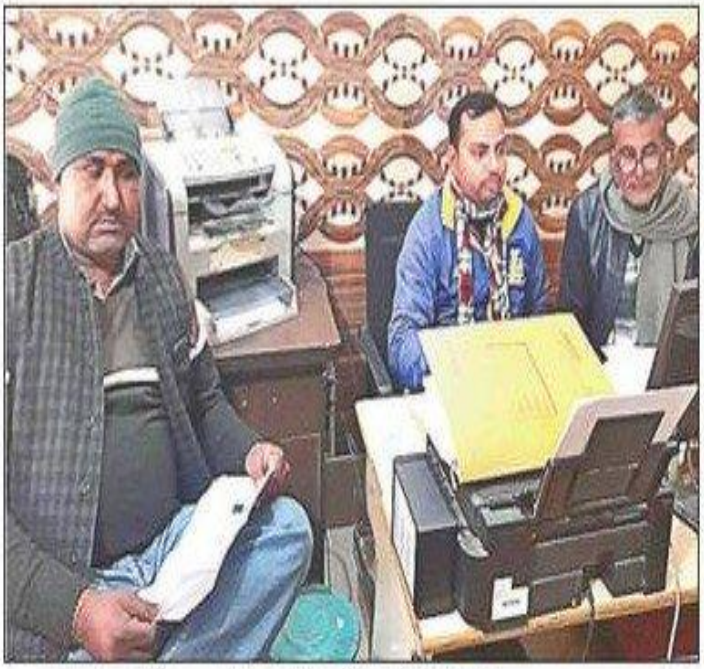

शामली नगर पालिका में कार्य करते कर्मचारी। अमर उजाला

अमर उजाला ब्यूरो

अफसर और कर्मचारी नई ताजगी और उमंग से काम करते नजर आए

शामली। नए साल के पहले दिन सरकारी दफ्तरों में भी उल्लास का माहौल रहा। अधिकांश अफसर समाधान दिवस में गए थे जबकि कर्मचारी नई ताजगी और उमंग से काम करते नजर आए। अमर उजाला ने साल के पहले दिन कुछ सरकारी कार्यालयों की पड़ताल की।

शामली सीएचसी में चूना डाला गया था। डॉक्टर, फार्मेसिस्ट और स्वास्थ्य कर्मी एक दूसरे को नववर्ष की बधाई देते रहे। सीएचसी अधीक्षक डाक्टर रमेश चंद्रा अपने कक्ष में रहकर रोजाना की तरह मरीजों की जांच करने और अन्य विभागीय कार्यों में व्यस्त रहे। हालांकि नए साल के पहले दिन अस्पताल में मरीजों की संख्या कम रही। कैराना रोड स्थित खेड़ीकरमू में विद्युत निगम के अधीक्षण अभियंता के कार्यालय में कली-चूना डालकर विशेष साफ सफाई की गई। कार्यालय में मिठाई बांटकर नया साल मनाया गया। सुबह से अधीक्षण अभियंता सुनील कपूर अपने कार्यालय में बैठकर विभागीय कार्य

दफ्तर में कार्य करते एसई।

में व्यस्त रहे। अधीक्षण अभियंता का कहना है कि नए साल में बनत बिजलीघर शुरू होने की उम्मीद है।

नगरपालिका में अधिकारियों व कर्मचारियों में नए साल के पहले दिन उमंग का माहौल रहा। पालिका के अधिशासी अधिकारी सुरेंद्र सिंह अपने कार्यालय में नहीं मिले। उनके बारे में बताया गया कि वे मीटिंग में गए हुए थे। वरिष्ठ लिपिक सुखपाल शर्मा और कंप्यूटर सहायक अमित कुमार ने बताया कि पालिका में नए साल को लेकर मंगलवार को कोई विशेष कार्यक्रम तो नहीं हुआ, लेकिन नए साल को लेकर उत्साह व उमंग का माहौल है।

कृषि उपनिदेशक मिटिंग में गए थे। स्टाफ ने गुब्बारे आदि लगाकर कार्यालय सजाया था। कर्मचारी काम में व्यस्त थे। अंकुर राठौर ने बताया कि गेहूं के बीज लेने वालों किसानों के बारे में काम चल रहा है।

HAPPY RETIREMENT

Tejbeer Singh Peon Retirement

NEW YEAR DAY

01/JAN/2019

यूं तो पूरे विश्व में नया साल अलग-अलग दिन मनाया जाता है, और भारत के अलग-अलग क्षेत्रों में भी नए साल की शुरूआत अलग-अलग समय होती है। लेकिन अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार 1 जनवरी से नए साल की शुरूआत मानी जाती है। चूंकि 31 दिसंबर को एक वर्ष का अंत होने के बाद 1 जनवरी से नए अंग्रेजी कैलेंडर वर्ष की शुरूआत होती है। इसलिए इस दिन को पूरी दुनिया में नया साल शुरू होने के उपलक्ष्य में पर्व की तरह मनाया जाता है।

चूंकि साल नया है, इसलिए नई उम्मीदें, नए सपने, नए लक्ष्य, नए आईडियाज के साथ इसका स्वागत किया जाता है। नया साल मनाने के पीछे मान्यता है कि साल का पहला दिन अगर उत्साह और खुशी के साथ मनाया जाए, तो साल भर इसी उत्साह और खुशियों के साथ ही बीतेगा।

हालांकि हिन्दू पंचांग के अनुसार के मुताबिक नया साल 1 जनवरी से शुरू नहीं होता। हिन्दू नववर्ष का आगाज गुड़ी पड़वा से होता है। लेकिन 1 जनवरी को नया साल मनाना सभी धर्मों में एकता कायम करने में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है, क्यों इसे सभी मिलकर मनाते हैं। 31 दिसंबर की रात से ही कई स्थानों पर अलग-अलग समूहों में इकट्ठा होकर लोग नए साल का जश्न मनाना शुरू कर देते हैं और रात 12 बजते ही सभी एक दूसरे को नए साल की शुभकामनाएं देते हैं।

नया साल एक नई शुरूआत को दर्शाता है और हमेशा आगे बढ़ने की सीख देता है। पुराने साल में हमने जो भी किया, सीखा, सफल या असफल हुए उससे सीख लेकर, एक नई उम्मीद के साथ आगे बढ़ना चाहिए। जिस प्रकार हम पुराने साल के समाप्त होने पर दुखी नहीं होते बल्कि नए साल का स्वागत बड़े उत्साह और खुशी के साथ करते हैं, उसी तरह जीवन में भी बीते हुए समय को लेकर हमें दुखी नहीं होना चाहिए। जो बीत गया उसके बारे में सोचने की अपेक्षा आने वाले अवसरों का स्वागत करें और उनके जरिए जीवन को बेहतर बनाने की कोशिश करें।

नए साल की खुशी में कई स्थानों पर पार्टी आयोजित की जाती है जिसमें नाच-गाना और स्वादिष्ट व्यंजनों के साथ-साथ मजेदार खेलों के जरिए मनोरंजन किया जाता है। कुछ लोग धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन कर ईश्वर को याद कर नए साल की शूरूआत करते हैं।

GURU GOVIND SINGH JAYANTI

13/JAN/2019

सिखों के प्रमुख व् पहले गुरु के जन्म दिवस के अवसर पर गुरु नानक जयंती मनाई जाती हैं. इस दिन सिख समुदाय के के लोगो में ख़ासा उत्साह देखा जा सकता हैं.
क्यूंकि जिनसे उनकी धर्म की शुरुवात हुई जो उनके पहले गुरु हैं. तो कही न कही उनके धर्म का अस्तित्व में आना गुरु नानक जी की देंन थी इसी कारण वे खुशियाँ मनाते हैं. आपको गुरु नानक जयंती की बहुत बहुत शुभकामनाएं ! ?

वाहेगुरु का आशीष सदा,
मिले ऐसी कमाना है हमारी,
गुरु की कृपा से आएगी,
घर घर में ख़ुशहाली
Happy Guru Nanak Jayanti !!!!

खुशियाँ और आपका जनम जनम का साथ हो,
हर किसी की जुबान पर आपकी हसी की बात हो.
जीवन में कभी कोई मुसीबत आए भी,
तो आपके सर पर गुरु नानक का हाथ हो.
Satnaam Shri Waheguru..!!! Happy Gurupurab

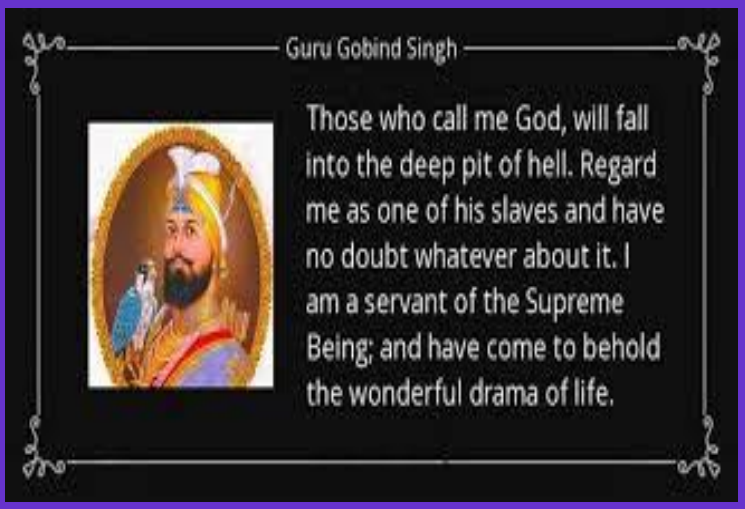

MAKAR SANKRANTI

14/JAN/2018

मकर संक्रांति का त्योहार हिन्दू धर्म के प्रमुख त्योहारों में शामिल है, जो सूर्य के उत्तरायन होने पर मनाया जाता है। इस पर्व की विशेष बात यह है कि यह अन्य त्योहारों की तरह अलग-अलग तारीखों पर नहीं, बल्कि हर साल 14 जनवरी को ही मनाया जाता है, जब सूर्य उत्तरायन होकर मकर रेखा से गुजरता है।

> कभी-कभी यह एक दिन पहले या बाद में यानि 13 या 15 जनवरी को भी मनाया जाता है लेकिन ऐसा कम ही होता है। मकर संक्रांति का संबंध सीधा पृथ्वी के भूगोल और सूर्य की स्थिति से है। जब भी सूर्य मकर रेखा पर आता है, वह दिन 14 जनवरी ही होता है, अत: इस दिन मकर संक्रांति का तेहार मनाया जाता है।
ज्योतिष की दृष्टि से देखें तो इस दिन सूर्य धनु राशि को छोड़कर मकर राशि में प्रवेश करता है और सूर्य के उत्तरायण की गति प्रारंभ होती है।
भारत के अलग-अललग क्षेत्रों में मकर संक्रांति के पर्व को अलग-अलग तरह से मनाया जाता है। आंध्रप्रदेश, केरल और कर्नाटक में इसे संक्रांति कहा जाता है और तमिलनाडु में इसे पोंगल पर्व के रूप में मनाया जाता है। पंजाब और हरियाणा में इस समय नई फसल का स्वागत किया जाता है और लोहड़ी पर्व मनाया जाता है, वहीं असम में बिहू के रूप में इस पर्व को उल्लास के साथ मनाया जाता है। हर प्रांत में इसका नाम और मनाने का तरीका अलग-अलग होता है।
अलग-अलग मान्यताओं के अनुसार इस पर्व के पकवान भी अलग-अलग होते हैं, लेकिन दाल और चावल की खिचड़ी इस पर्व की प्रमुख पहचान बन चुकी है। विशेष रूप से गुड और घी के साथ खिचड़ी खाने का महत्व है। इसेक अलावा तिल और गुड़ का भी मकर संक्राति पर बेहद महत्व है। इस दिन सुबह जल्दी उठकर तिल का उबटन कर स्नान किया जाता है। इसके अलावा तिल और गुड के लड्डू एवं अन्य व्यंजन भी बनाए जाते हैं। इस समय सुहागन महिलाएं सुहाग की सामग्री का आदान प्रदान भी करती हैं। ऐसा माना जाता है कि इससे उनके पति की आयु लंबी होती है।

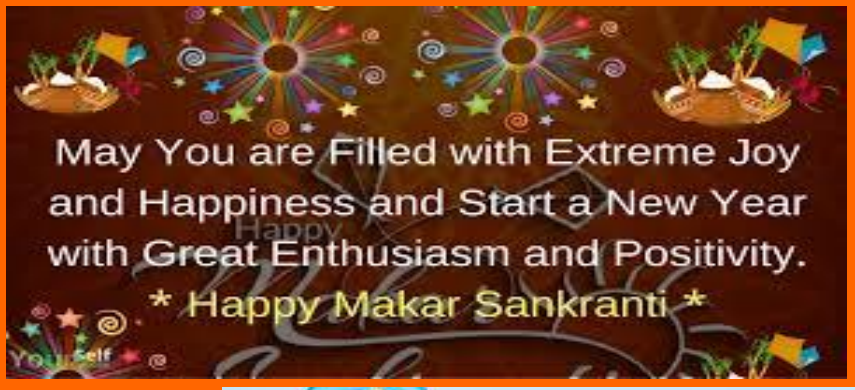

E NEWSLETTER 8

INDIAN ARMY DAY

15/JAN/2019

15 जनवरी सन् 1949 को केएम करिअप्पा को देश का पहला लेफ्टिनेंट जनरल घोषित किया गया था । इसके पहले ब्रिटिश मूल के फ्रांसिस बूचर इस पद पर कार्यरत थे। इस दिन सेना की आजादी होती है इसलिए 15 जनवरी को भारतीय सेना दिवस के रूप में मनाया जाता है। उस समय भारतीय सेना में लगभग 200000 सैनिक थे जबकि इस समय भारतीय सेना में 1100000 से भी अधिक सैनिक अलग-अलग पदों पर कार्यरत हैं।
इस दिन हमारे देश की सेना अपनी आजादी का जश्न मनाती है। भारतीय सैनिक साल के 365 दिन हमारी आजादी को बचाने के लिए संघर्ष करते हैं इसलिए हमारा कर्तव्य है कि इस दिन हमें उनकी खुशियों में शामिल हो और उनकी कुर्बानियां को याद करें।

सेना दिवस की शुरुआत भारत के लेफ्टिनेंट जनरल केएम करिअप्पा को सम्मान देने के लिए की गई थी जो भारत के पहले प्रधान सेनापति थे इस दिन नई दिल्ली में सेना के सभी मुख्यालय में परेड्स और मिलिट्री शो का भी आयोजन किया जाता है।

15 जनवरी को इंडिया गेट पर बनी अमर जवान ज्योति पर शहीदों को श्रद्धांजलि भी दी जाती है। इस दिन दिल्ली में परेड आयोजित किया जाता है। उसमें सैनिकों के परिवारों को भी बुलाया जाता है। सैनिक उस समय जंग का एक नमूना पेश करते हैं और अपने कौशल योग रणनीति के बारे में भी बताते हैं तथा देश के युवाओं को सेना में शामिल होने के लिए प्रेरित करते हैं।

REPUBLIC DAY

26/JAN/2018

26 जनवरी सन 1950 को हमारे देश को पूर्ण स्वायत्त गणराज्य घोषित किया गया था और इसी दिन हमारा संविधान लागू हुआ था। यही कारण है कि प्रत्येक वर्ष 26 जनवरी को भारत का गणतंत्र दिवस मनाया जाता है और चूंकि यह दिन किसी विशेष धर्म, जाति या संप्रदाय से न जुड़कर राष्ट्रीयता से जुड़ा है, इसलिए देश का हर बाशिंदा इसे राष्ट्रीय पर्व के तौर पर मनाता है। खास तौर से सरकारी संस्थानों एवं शिक्षण संस्थानों में इस दिन ध्वजारोहण, झंडा वंदन करने के पश्चात राष्ट्रगान जन-गन-मन का गायन होता है और देशभक्ति से जुड़े विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। देशाक्ति गीत, भाषण, चित्रकला एवं अन्य प्रतियोगिताओं के साथ ही देश के वीर सपूतों को याद भी किया जाता है और वंदे मातरम, जय हिन्दी, भारत माता की जय के उद्घोष के साथ पूरा वातावरण देशभक्ति से ओतप्रोत हो जाता है।

भारत की राजधानी दिल्ली में गणंतंत्र दिवस पर विशेष आयोजन होते हैं। देश के प्रधानमंत्री द्वारा इंडिया गेट पर शहीद ज्योति का अभिनंदन करने के साथ ही उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए जाते हैं। इस दिन विशेष रूप से दिल्ली के विजय चौक से लाल किले तक होने वाली परेड आकर्षण का प्रमुख केंद्र होती है, जिसमें देश और विदेश के गणमान्य जनों को आमंत्रित किया जाता है। इस परेड में तीनों सेना के प्रमुख राष्ट्रीपति को सलामी दी जाती है एवं सेना द्वारा प्रयोग किए जाने वाले हथियार, प्रक्षेपास्त्र एवं शक्तिशाली टैंकों का प्रदर्शन किया जाता है एवं परेड के माध्यम से सैनिकों की शक्ति और पराक्रम को बताया जाता है।

26 JANUARY

ALAW

कम्बल वितरण

रैन बसेरा

रैन बसेरा
नगर पालिका परिषद, शामली के
नीचे हॉल में उपलब्ध है।
REDMI NOTE 5 PRO
MI DUAL CAMERA

स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत खुले मे शौच से मुक्ति के सम्बन्ध में जागरूकता हेतु एक मार्मिक अपील

जागो युवा जागो स्वच्छ भारत है तुम्हारा अधिकार लेकिन पहले उठाओं पहले कर्तव्य का भार

बापू का नारा, स्वच्छ भारत हैं बनाना \

भूमण्डल में गूंजे गान \
मेरा भारत देश महान \\
फिर गूजेंगा का बापू का गान \
स्वच्छ रहे भारत का हर ग्राम \\
कूड़ा करकट का हैं अम्बार \
सबको मिलकर करना हैं साफ \\
अपने कर्मो को सुधारे \
नदियों को पवित्र बनायें \\
स्वच्छता उन्नति का आधार हैं \
लम्बे जीवन का सार हैं \\
स्वच्छता आकर्षण का आधार हैं \
स्वच्छता मोक्ष का द्वार भी हैं \\
बच्चे बूढे, और जवान हैं ,
सहयोग सेतु में बंध एक साथ \
संकल्प करे फिर एक बार \
स्वच्छ रखेगा भारत को हर हाथ \\
अच्छे दिनों को लाना हैं \
भारत का मान बढ़ाना हैं \\

स्वच्छ भारत मिशन शामली

श्री सुरेंद्र सिंह (अधिशासी अधिकारी)

श्रीमती अंजना बंसल (अध्यक्ष)

E NEWSLETTER 18

Contact Us

: www.fageosystems.in

: info@fageosystems.in

Tel/Fax : 01204349756